जेंडर समानता की गांधीवादी दृष्टि:
शक्ति,संभावनाएं एवंचुनौतियां

Gandhian Perspectives of GenderEquality:
Power, Potentials and Prospects

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

28-30 मार्च, 2019

स्थान: ग़ालिब सभागार

ज्ञान शांति मैत्री

आयोजक

स्त्री अध्ययन विभाग

महात्मागांधीअंतरराष्ट्रीयहिंदीविश्वविद्यालय

वर्धा

गांधी विचार परिषद,वर्धा

आयोजन समिति

संरक्षक

प्रो. गिरीश्वर मिश्र

कुलपति, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

संगोष्ठी निदेशक

श्री भरत महोदय

निदेशक, गांधी विचार परिषद,गोपुरी, वर्धा

मो. नं.9850307960

igsgvp@gmail.com

डॉ. सुप्रिया पाठक

प्रभारी अध्यक्ष, स्त्री अध्ययन विभाग,म.गां.अं.हिं.वि.,वर्धा

मो. नं. 9850200918,

supriya_rajj@yahoo.co.in

संयोजक

डॉ. अवंतिका शुक्ला

सहा. प्रोफेसर,स्त्री अध्ययन विभाग,म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

मो. नं. 8600553082

avifem@gmail.com

डॉ. सीबी जोसेफ

अधिष्ठाता,गांधी विचार परिषद, गोपुरी,वर्धा

मो. नं. 9822238341

igsgvp@gmail.com

सह-संयोजक

श्री शरद जायसवाल

सहा. प्रोफेसर,स्त्री अध्ययन विभाग,म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

मो. नं.7905851041

Sharadjaiswal2008@gmail.com

संकल्पना पत्र

वैश्विक स्तर पर जेंडर समानता की स्थापना बहस व विवाद का मुद्दा रहा है। जेंडर समानता के दृष्टिकोण प्रत्येक समाज में प्रचलित मूल्यों पर आधारित होते हैं। समाज में महिलाओं की जिम्मेदारियों व भूमिकाओं से संबंधित जेंडर समानता का केंद्रीय दृष्टिकोण पश्चिमी नजरिए से अत्यधिक प्रभावित रहा है।मानव समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संसाधनों तक समान पहुंच व अवसर को समान्यतः जेंडर समानता के रूप में समझा जाता है। इसमें आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्र सहित मानव गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में भागीदारी व निर्णय लेना शामिल है। दुर्भाग्य से जेंडर समानता का ऐसा विचार विभिन्न समाजों में वास्तविक व्यवहार से गायब है। नतीजतन जेंडर समानता पूरी दुनिया व सरकारों के लिए चिंता का विषय रही है। विभिन्न सरकारी व अंतरराष्ट्रीय संगठनों की नीतियों में यह प्रतिबिम्बित होता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने जेंडर समानता को न केवल मौलिक मानवाधिकार माना है, बल्कि शांति,समृद्ध व दीर्घकालिकदुनियाके लिए मूलभूत आवश्यकता कहा है। यह संयुक्त राष्ट्र संघकेसत्रह सतत विकास(Sustainable Development) लक्ष्यों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने जेंडर समानता के महत्व को रेखांकित करते हुए जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अन्याय, शोषण व असमानता खत्म करने के लिए कई सम्मेलनों का आयोजन किया है और वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि जेंडरअसमानता मानव विकास में मुख्य अवरोधक है।

यूएनडीपी की मानव विकास रिपोर्ट में **'जेंडर असमानता सूचकांक'**को एक असमानता सूचक के रूप में शामिल किया गया है।जेंडरअसमानता सूचकांक, जेंडर असमानता को प्रजनन स्वास्थ्य,सशक्तीकरण व आर्थिक स्थिति-तीन प्रमुख आयामों के आधार पर मापता है। यह मानव विकास को लिंग असमानता के आधार पर मापता है। यह महिलाओं को अग्रसक्रिय सोच के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ सार्वजनिक नीतियों में उनको सुनियोजित नुकसान से भी बचाता है।विभिन्नक्षेत्रोंमेंमहत्वपूर्णप्रगतिकेबावजूद21वींसदीमेंभीजेंडरसमानताप्राप्तकरनेकालक्ष्यदूरकास्वप्न लगता है। उनके साथ प्रायः स्वास्थ्य, शिक्षा, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, श्रम बाज़ार में भेदभाव किया जाता है जो उनके मनो-मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।यह महसूस किया गया है कि हमें जेंडर समानता के विमर्श से परे जाकर महिलाओं में अंतर्निहित शक्ति व क्षमता का पता लगाना होगा।

आज़ादी के आंदोलन के दौरान गांधीजी को महिलाओं में छिपी हुई ताकत व क्षमता का एहसास हुआ। गांधी ने पर्दे में रहने वाली महिलाओं को स्वतन्त्रता आंदोलन की लड़ाई में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कुछ विशेष परिस्थितियों में स्वतन्त्रता आंदोलन का नेतृत्व सरोजिनी नायडू जैसी सशक्त व्यक्तित्व के हाथों मे दिया जोपुरुषों से बेहतर व प्रभावकारी साबित हुईं। विनोबा भावे ने भी स्त्री शक्ति को महसूस किया एवं उनके भूदान आंदोलन के द्वारा महिलाओं को नेतृत्वकारी, समर्पण व अध्यात्मिक खोज के लिए तैयार भी किया।इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का का मुख्य उद्देश्य जेंडर समानता की मुख्य अवधारणा और महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में गांधी जी के योगदान का अध्ययन और विश्लेषण करना है। गांधी जी के जेंडर समानता के विचारों का व्यापक अध्ययन स्त्रीवादी दृष्टीकोण से अत्यंत प्रासंगिक हैयह संगोष्ठी महिला सशक्तीकरण की दिशा में अनुसन्धान और रणनीतियों की खोज की संभावनाओं की दिशा तय करेगा।यह भारतीय सन्दर्भों में जेंडर समानता पर मुख्यधारा और गांधीवादी परिप्रेक्ष्य के तुलनात्मक अध्ययन पर भी केंद्रित होगा।साथ ही समतामूलक समाज बनाने की प्रक्रिया में महिलाओं की भूमिका और उसकी संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

उप-विषय

- जेंडर समानता और महिला सशक्तीकरण पर गांधीवादी दृष्टिकोण।
- सत्ता में भागीदारी:भारतीय महिलाओं की शक्ति, क्षमता एवं संभावनाओं पर विचार।
- जेंडर समानता के लिए जमीनी स्तर पर प्रयास।
- बदलाव की वाहक के रूप महिलाएं: शासन,निर्णय एवं योजनाओं का निर्माण ।
- जेंडर समानता में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रुझान एवं चुनौतियाँ
- महत्वपूर्णप्रतिबद्धमहिलानेता: अतीतऔरवर्तमान।

सभी सम्मानित शिक्षाविदों,अकादमिक सदस्यों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों से राष्ट्रीय संगोष्ठी के विषय,उप-विषय पर शोध पत्र/आलेख आमंत्रित हैं। आलेख का सार (Abstract) अधिकतम 300 शब्दों में तथा पूर्ण आलेख 3000 शब्दों में कृतिदेव अथवा मंगल फॉन्ट में होना चाहिए। इसकी सॉफ्टकॉपीavifem@gmail.com, igsgvp@gmail.com एवं Sharadjaiswal2008@gmail.comपर अनिवार्य रुप से भेजें। पंजीयन कराने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रतिभागी अपना पंजीयन डाक द्वारा या ऑनलाइन करा सकते हैं। संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रतिभागी अपना शोध पत्र /आलेख सार 10 मार्च 2019 तक ई-मेल अथवा डाक द्वारा आवश्यक रुप से संगोष्ठी संयोजक को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

संगोष्ठी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां

- प्रतिभागी हेतु पंजीयन कराने की अंतिम तिथि10मार्च 2019
- पंजीयन शुल्क अकादमिक सदस्य/ शिक्षक -1000/-रु.
- पंजीयन शुल्क शोधार्थी/विद्यार्थी - 500/-रु.
- शोध सारांश भेजने की अंतिम तिथि-10 मार्च 2019
- शोध सारांश स्वीकृत होने की सूचना-15 मार्च 2019
- पूर्ण शोध पत्र/आलेख भेजने की अंतिम तिथि-20 मार्च 2019
- डी.डी. वित्ताधिकारी,महात्मा गांधी हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के नाम से प्रेषित करें।
- जिन बाह्य शिक्षकों/शोधार्थी का शोध पत्र /आलेख चयनित होगा उन्हें नियमानुसार आने-जाने का द्वितीय श्रेणी शयनयान का किराया दिया जाएगा।
- भोजन एवं आवास की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा की जाएगी। विश्वविद्यालय में आवास की सुविधा सीमित है। अतः आवास सुविधा प्राप्ति हेतु पहले सूचित करना आवश्यक है।

पंजीकरण फार्म

नाम.....

पद.....

संस्थान.....

पता.....

मोबाईल.....

ई-मेल.....

शोधशीर्षक.....

पंजीयन शुल्क विवरण.....

बैंक का नाम एवं दिनांक.....

डी. डी. नं. एवं राशि.....

ठहरने की व्यवस्था :- (आवश्यक है) /(नहीं है)

आगमन की तिथि व समय .....

प्रस्थान की तिथि व समय.....

स्थान.....

दिनांक ....

हस्ताक्षर